भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या: 2882**

**बुधवार, 21 मार्च, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण/अध्ययन**

**अता.प्र.सं. 2882. श्री पि. भट्टाचार्यः**

**श्रीमती रजनी पाटिलः**

**श्री दर्शन सिंह यादवः**

**क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने हाल ही में देश में औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों का कोई सर्वेक्षण/अध्ययन कराया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) देश के पिछड़े क्षेत्रों के विकास हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/कदम उठाया जाना प्रस्तावित है?

**उत्‍तर**

**वाणिज्‍य और उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री सी. आर. चौधरी)**

**(क):** जी, नहीं।

**(ख) और (ग):** उपर्युक्त (क) को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

**(घ):** औद्योगिक विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी, राज्य सरकार (सरकारों) की है। केन्द्र सरकार औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए अपने द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके प्रयासों में मदद देती है। औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग जम्मू एवं कश्मीर को 14.06.2002 से 14.06.2017 तक तथा हिमांचल प्रदेश और उत्तराखंड को 07.01.2003 से 31.03.2017 तक विशेष औद्योगिक पैकेज उपलब्ध कराता रहा है।

इसके अलावा, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग देश में औद्योगिक क्लस्टरों में सामान्य औद्योगिक अवसंरचना की स्थापना के लिए संशोधित औद्योगिक अवसंरचना उन्नयन योजना (एमआईआईयूएस) भी कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, मौजूदा औद्योगिक पार्कों/सम्पदाओं/क्षेत्रों में अवसंरचना का उन्नयन करने के लिए परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं। इस योजना के तहत हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 परियोजनाओं सहित 23 परियोजनाओं को अन्तिम अनुमोदन प्रदान किया गया है।

\*\*\*\*\*